2019

Part – II

HINDI

(General)

Paper – II

Full Marks – 90

Time : 3 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
Illustrate the answers wherever necessary.

खंड –क

1. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15×1

(क) सूरदास की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए ।

(ख) कबीर के रहस्यवाद पर सोदाहरण विचार कीजिए ।

(ग) बिहारी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. किन्हीं **दो** अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

(क) मेरा मन सुमिरै राम को, मेरा मन रामहि आहि
अब मन रामहि' हवै रहा, सीस नवावौं काहि ।।

(ख) देखियत कालिंदी अति कारी
अहो पथिक कहयो उन हरि सूं-भी-विरह-जूर जारी
गिरि प्रजानक तैन गिराती धरनी धांसी, तरंग तड़प तन भारी
तत बारो उपचार चूर, जल-पूर प्रस्वेद पनारी
बिगलित कच-कुस कांस कुल पर, पंक जु काजल सारी

(ग) खड़े भूपति भिक्षु सम करें कैकेई से नित निवेदन
किया समर्पित राज भरत को करो परिवर्तित द्वितीय वचन
निष्ठुर रानी रही अटल यह अनर्थ कराने को
दूत भेजा तुरंत ही कक्ष से राम बुलाने को
लज्जा-संताप से घिरे दशरथ ने कैकेई-कक्ष छोड़ दिया,
होंगे कैसे समक्ष राम के, कुल्टा ने हाय हिय तोड़ दिया ।

(घ) मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोय
जा तन की झाँई परे स्याम हरित दुति होय ।।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×2

(क) कबीर की सामाजिक-चेतना पर विचार कीजिए ।

(ख) तुलसी की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए ।

(ग) सूर के वात्सल्य-वर्णन पर चर्चा कीजिए ।

(घ) बिहारी के काव्य में वर्णित नीतिगत दोहों पर संक्षेप में विचार कीजिए ।

खंड –ङ्ख

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : 15×1

(क) दिनकर की राष्ट्रीय-चेतना पर विचार कीजिए ।

(ख) निराला की प्रगतिशील-चेतना पर प्रकाश डालिए ।

(ग) अज्ञेय की काव्यगत-विशेषताओं पर विचार कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

(क) मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य मलिन उपहास ।।

(ख) तीस कोटि संतान नग्न तन

अर्ध क्षुधित, शोषित, निरस्त्र-जन,

मूढ़, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन

नत मस्तक तरु तल निवासिनी ।।

(ग) सीमा ही लघुता का बंधन

है अनादि तू मत छड़ियाँ गिन

मैं दृग् के अक्षय कोषों से

तुझमें भरती हूँ आंसू-जल !

सहज-सहज मेरे दीपक जल ।

(घ) सांप

तुम सभ्य तो हुए नहीं

नगर में बसना

भी तुम्हें नहीं आया

एक बात पूछूँ — (उत्तर दोगे ?)

तब कैसे सीखा डँसना —

विष कहाँ पाया ?

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×3

(क) पंत की काव्यगत विशेषताओं पर विचार कीजिए ।

(ख) 'जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ' कविता की मूल-संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(ग) महादेवी वर्मा के काव्य में विरह-वेदना को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में व्यक्त प्रकृति-चित्रण को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'रश्मिरथी' का मुख्य कथ्य स्पष्ट कीजिए ।

7. किन्हीं **आठ** अति लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×1

(क) कबीर के दोहों का संकलन किस ग्रंथ में किया गया है ?

(ख) 'गीतावली' के रचयिता का नाम लिखिए ।

(ग) 'सूरसागर' किस भाषा में रचित है ?

(घ) 'मंगल बिंदु सुरंग मुख ससि' किसकी पंक्ति है ?

(ङ) 'रश्मिरथी' का प्रकाशन वर्ष लिखिए ।

(च) *जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित एक काव्य-संग्रह* का नाम लिखिए।

(छ) 'सिंदूर तिलकित भाल' कविता का मुख्य भाव क्या है ?

(ज) 'कलगी बाजरे की' में 'कलगी' का क्या अर्थ है ?

(झ) महादेवी को किस रचना के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ?

(ञ) नागार्जुन को किस उपनाम से बुलाया जाता है ?